पंडित एस. एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल (म.प्र.)

Email : ptsnsuniversity@gmail.com ● Website:ptsnsuniversity.ac.in

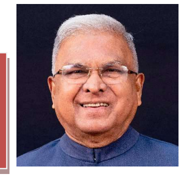

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
द्वारा दिनांक 15 नवम्बर 2021 को **मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सिकल सेल एनीमिया मिशन का शुभारम्भ**

सिकल सेल एनीमिया

एक अनुवांशिक रोग, कारण और निवारण

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्री मंगुभाई पटेल जी
के निर्देशन में पंडित एस. एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के शिक्षकों एवं एन.एस.एस., एनसीसी कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में **सिकल सेल एनीमिया** के संबंध में जन–जागरण व सर्वेक्षण किया जा रहा है।

सिकल सेल एनीमिया क्या है?

- ❖ सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक रोग है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानान्तरित होता है।
- ❖ प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया जनजातीय बाहुल्य में पाया जाता है।

कैसे फैलता है ?

माता–पिता में से कोई एक इस रोग का वाहक होता है, तो उनके बच्चों में यह बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है।

लक्षण क्या है?

– आँखों में पीलापन
– पीलिया
– हाथ–पैरों में दर्द एवं सूजन
– चक्कर आना या सिर घूमना
– श्वास लेने में कठिनाई आदि

इनमें से कोई भी लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या स्वास्थ्य चिकित्सक से तुरंत सम्पर्क करें।

----- रोकथाम एवं उपचार -----

❖ खून की जांच ❖ वाहक व्यक्ति को चिकित्सकीय उचित सलाह ❖
❖ लक्षण के आधार पर चिकित्सकीय सलाह से दवाईयाँ ❖

अनूपपुर और डिंडौरी में सबसे ज्यादा केस, ऊपर से लगाना पड़ रहा रक्त

आदिवासी महिलाओं में बढ़ रहा सिकलसेल चार जिलों में प्रदेश के 75 फीसदी मरीज

जागरूकता की कमी और समय पर जांच न होने की वजह से लगातार बढ़ रहे मरीज
राज्यपाल भी जता चुके हैं चिंता, प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी बनेगी कार्ययोजना

पत्रिका खास खबर

एक्सपर्ट व्यू: जांच बढ़ाने के साथ पोषण आहार पर फोकस

शहडोल: एक साल में 2865 की जांच, 72 गंभीर सिकलसेल

डिंडौरी: 40 हजार लोगों की जांच, 450 सिकलसेल मरीज

अनूपपुर: 13 हजार में जीन्स, 12 सौ मरीज

समय पर जांच न होने से बच्चों में ट्रांसफर हो जाते हैं जीन्स

प्रयास: गर्भवती महिला की सिकल जांच अनिवार्य, विवि गोद लेंगे गांव

जागरूकता | एनसीसी कैडेट रैली निकाल किया जागरूक

सिकल सेल और कोरोना का किया सर्वे, बचाव के बताए उपाय

पत्रिका सिटी इवेन्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

शहडोल. पंडित शंभूनाथ शुक्ला यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर मुकेश तिवारी, राज्यपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश पर गोद ग्राम चांपा और हरदी में एनसीसी कैडेट द्वारा स्वास्थ चिकित्सा शिविर ,नशा मुक्ति, रक्तदान, पढ़े-लिखे अभियान, व्यक्तिगत स्वच्छता और जागरूकता अभियान के प्रति करोना प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए एनसीसी कैडेट द्वारा निकाली गई। रैली जिसमें एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डा जीएस सांडिया और एनसीसी के कमांडर अंडर आफिसर प्रकाश कुमार साकेत एवं समस्त एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। गोद ग्राम हरदी और चांपा शिकिल सैल और करोना के प्रति सर्वे किया गया और समस्त ग्राम वासियों को बीमारी से बचने का नियम बताया गया।

लगातार
अनूपपुर और डिंडौरी में सबसे ज्यादा केस, ऊपर से लगाना पड़ रहा रक्त
आदिवासी महिलाओं में बढ़ रहा सिकलसेल चार जिलों में प्रदेश के 75 फीसदी मरीज
पत्रिका
पूर्व में प्रकाशित खबर

सिकलसेल एनीमिया को रोकने के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए–

- 🕮 सिकलसेल एनीमिया को ठीक नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसका इलाज किया जा सकता है।
- 🕮 नियमित जागरूकता अभियान और शिविर में लोगों को सिकल सेल और इसके प्रभावों के बारे में शिक्षित कर सकता है।
- 🕮 विवाह पूर्व परामर्श इस रोग के प्रसार को रोकने में एक अहम योगदान देगा।
- 🕮 किशोरों, प्रसवपूर्व महिलाओं और नवजात शिशु पर ज्यादा ध्यान देने के साथ नवजात से लेकर वृद्ध तक सभी आयु समूहों के लोगों की जांच आवश्यक है। प्रसवपूर्व महिलाओं की सिकल सेल रोग के लिए जांच करते समय यह सुनिश्चित करने के लिए पतियों की भी जाँच की जा सकती है कि बच्चे को कोई खतरा तो नहीं है।
- 🕮 सिकल सेल रोगियों के पुनर्वास पर ध्यान देने की जरूरत है, मुआवजे और रोजगार के उपयुक्त अवसर प्रदान किये जाएं।